Hindi Murli Quiz 24-06-2015

Q.1) स्वमान में स्थित रहो तो अनेक प्रकार के _____ स्वत: समाप्त हो जायेंगे।

A. अभिमान
B. दुःख
C. परिस्थिति

Q.2) Match the following

	Choice	Match
A	"बी होली एण्ड बी योगी"।	मुझे याद करो और पवित्र रहो।
B	गांधी के लिए कहते हैं, वह बहुत अच्छा आदमी था, ऊंचा था। तो ऊंचा माना ऐसे नहीं एकदम बड़ा बड़ा था। ऐसे तो बड़ा नहीं था ना, बड़ा माना अपने कर्तव्य में बड़ा था।	उसने अच्छे कर्तव्य किये इसलिये उनको सब याद करते हैं, उनकी सब महिमा करते हैं।
C	गुरूनानक देव, क्राईस्ट, बुद्ध आदि उन्होंने भी तो उसके तरफ इशारा किया है ना। तो यह सब साफ बातें हैं जिसको समझ करके पुरूषार्थ करना है	और बाप जो फरमान करते हैं कि मुझे याद करो और अपने कर्मों को अच्छा पवित्र रखो तो उसी से तुम्हारा यह जो हेविन का अधिकार है वह तुमको प्राप्त होगा।
D	तुमको अपने कर्म को स्वच्छ बनाने का है। स्वच्छता (पवित्रता) क्या है, वह बैठ करके स्पष्ट समझाते हैं कि	तुम मेरी याद के बिना पवित्र बन ही नहीं सकते हो। भले तुम कोई देवता को याद करो।

Q.3) इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -

A. इस दुनिया की कोई भी प्राप्ति, जिसको प्राप्ति गिनी जाये उसमें अभी कोई सुख रहा नहीं है, इसलिए बाप कहते हैं कि जो मैं मुस्कराने की अर्थात् सदा सुख की दुनिया बना रहा हूँ, उसमें चलने के लिए अपने संस्कार भी ऐसे बनाओ।
B. देखो, कितनी सिम्पल, सहज बात है, इसके लिये मनुष्य कितने वेद-शास्त्र, ग्रंथ-पुराण और कितने हठयोग, प्राणायाम आदि करते हैं। यह सब बातें साफ करके बाप समझाते हैं। चलना तो कर्म से ही है लेकिन कर्म को खाली सुधारते चलो। वह सुधारो कैसे? वह समझाते हैं।
C. बाप कहते हैं कि मैं ही आ करके फिर सुनाता हूँ क्योंकि वह जानकारी मेरे पास ही रहती है और सबसे भूल जाती है। तो सबको बल देने वाला भी मैं हूँ, मेरे में ही वह पॉवर रहती है और तो सभी जन्म मरण के चक्र में आ करके अपनी पावर्स खो देते हैं। तो मैं आता हूँ अपना बल देने के लिए।
D. यह सभी राज़ बाप ही समझाते हैं कि अभी हर चीज़ बिगड़ चुकी है, अभी मैं आया हूँ तो हर चीज़ को सुधारता हूँ इसके लिए मैं पहले मनुष्य आत्मा को सुधारता हूँ, उससे सब चीजें सुधर जाती हैं।
E. भूमि है इसमें जो बोयेंगे सो पायेंगे, यह भी इसका नियम है। बाप कहते हैं इस लॉ को तो मैं भी ब्रेक नहीं कर सकता हूँ। भल मैं वर्ल्ड ऑलमाइटी अथॉरिटी हूँ लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं चाहूँ तो आसमान को नीचे करूँ, धरती को ऊपर करूँ।

Q.4) Match the following

	Choice	Match
A	संगमयुग पर आलराउन्ड सेवा का चांस मिलना	यह भी ड्रामा में एक लिफ्ट है
		उन्हें सर्व प्राप्तियों का प्रसाद स्वत:प्राप्त हो जाता है। वे निर्विघ्न रहते

B	जो प्यार से यज्ञ की आलराउन्ड सेवा करते हैं	हैं।
C	एक बारी सेवा की और	हजार बार सेवा का फल प्राप्त हो गया।
D	सदा स्थूल सूक्ष्म लंगर लगा रहे। किसी को भी सन्तुष्ट करना-	यह सबसे बड़ी सेवा है।
E	मेहमान निवाजी करना	यह सबसे बड़ा भाग्य है।

Q.5) **Match the following**

	Choice	Match
A	इस रोने की दुनिया अथवा दु:ख की दुनिया में कोई भी तमन्ना धन-सम्पत्ति की, मर्तबे की, मान-इज्जत की किसी भी बात की नहीं रखनी है	क्योंकि अभी तो सभी में, धन- सम्पत्ति में भी रोना ही है यानि दु:ख ही है।
B	देखो, चित्रकार भी देवताओं के चेहरे बड़े अच्छे मुस्कराहट वाले बनाते हैं, उनके चेहरे में पवित्रता, दिव्यता आदि दर्शाते हैं।	तो अभी हम वही संस्कार बना रहे हैं अथवा धारण कर रहे हैं, वहाँ कोई दु:ख का चिन्ह है ही नहीं।
C	अभी बहुत रोया, बहुत दु:ख पाया अर्थात् दु:ख की दुनिया के अनेक जन्म भोगे।	अभी वह रात पूरी हो करके दिन भी तो आयेगा ना। तो यह रात अथवा दु:ख की जो जनरेशन्स है वह अभी पूरी होती है, अभी सुख की जनरेशन चालू होती है।
D	ऐसा होता तो सभी मनुष्य सुखी होने चाहिए फिर इतना दु:ख क्यों भोगते हैं?	मनुष्य को तो मनुष्य जन्म में ही अपने जन्म ले करके जो दु:ख अथवा सुख है या जो भी कर्मों का हिसाब है, वह भोगना है।
E	ऐसे तो नहीं समझते हो कि यह सब कल्पनायें हैं, ऐसा तो ख्याल नहीं आता है ना!	कल्पना क्यों समझी जाये! जबकि हम देख रहे हैं कि यह दु:ख की दुनिया है। यह तो कल्पना नहीं है, यह प्रैक्टिकल है।
F	ऐसे तो नहीं यह संसार सदा दु:ख का ही है?	इसमें सुख और दु:ख दोनों ही हैं परन्तु सुख का भी समय है। ऐसे नहीं कहेंगे कि अभी जो सुख है, बस यही सुख है, यही स्वर्ग है।